राजनेताओं के लिये स्मारक

[स्रोत: द हिंदू](#)

हाल ही में पूर्व [प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह](#) का अंतिम संस्कार **निगमबोध घाट** पर किया गया, जो कि पहले से तय स्थानों पर दाह संस्कार करने एवं उसके बाद स्मारक स्थापित करने की परंपरा से अलग है।

- **नियम और परंपराएँ:** हालांकि पूर्व प्रधानमंत्रियों के लिये **स्मारक बनाने के संबंध में कोई विशिष्ट नियम** नहीं हैं लेकिन आमतौर पर उनका अंतिम संस्कार निर्धारित स्थलों पर ही किया जाता है तथा उनमें से अधिकांश के स्मारक दिल्ली या अन्यत्र हैं।
- **स्मारकों की उत्पत्ति और विरासत: राजनेताओं के स्मारक स्थल के रूप में राजघाट (महात्मा गांधी) का काफी महत्त्व है यह स्थल शांति एवं राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है।**
  - **जवाहरलाल नेहरू (शांति वन), लाल बहादुर शास्त्री (विजय घाट), इंदिरा गांधी (शक्ति स्थल)** और **अटल बिहारी वाजपेयी (स्मृति स्थल)** जैसे नेताओं के संदर्भ में विरासतों के प्रतीक के रूप में स्मारकों की परंपरा का पालन किया गया।
- **राजनीतिक विचारधाराएँ:** स्मारक अक्सर राजनीतिक विचारधाराओं को दर्शाते हैं, उदाहरण के लिये, **पीवी नरसिम्हा राव की ज्ञान भूमि** की स्थापना वर्तमान NDA सरकार द्वारा की गई थी जिसे पहले कॉन्ग्रेस द्वारा अस्वीकार कर दिया गया था, जबकि **वीपी सिंह** एकमात्र ऐसे पूर्व प्रधानमंत्री हैं जिनका कोई स्मारक नहीं है।
- **स्मारकों का रखरखाव:** स्मारकों का रखरखाव मुख्य रूप से **राज्य सरकारों, स्थानीय नगर पालिकाओं** एवं कभी-कभी शहरी विकास मंत्रालय के माध्यम से **केंद्र सरकार** द्वारा किया जाता है।
- **भारत में स्मारक और प्रतीकवाद: राजेंद्र प्रसाद (बिहार), बी.आर. अंबेडकर (मुंबई), मोरारजी देसाई (अहमदाबाद) और गुलजारीलाल नंदा-अंतरिम प्रधानमंत्री (अहमदाबाद)।**
  - स्मारक के नाम राजनेताओं की पहचान को दर्शाते हैं, जैसे **शास्त्री जी का विजय घाट (जीत), इंदिरा जी का शक्ति स्थल (मज़बूती)** एवं **चरण सिंह का किसान घाट (किसान नेतृत्व)**।

और पढ़ें: [प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह](#), [राष्ट्रीय नमक सत्याग्रह स्मारक](#)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/memorials-for-leaders